ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-11-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-11-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-11-26	2025-11-27	2025-11-28	2025-11-29	2025-11-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	73	74	74	76
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	47	42	43
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	4	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	340	300	310	300	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (18 से 24 नवंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 26.6 से 27.5 डिग्री सेल्सियस और 9.9 से 11.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 88 से 95% और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 29 से 49% के बीच रही। हवा की गति 0.7 से 1.6 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में वर्षा नहीं दिखाई दे रही है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस और 7.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 4-6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पश्चिम-पश्चिम, उत्तर-पूर्व-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेंगी।आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है तथा आगामी सप्ताह में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई मौसम चेतावनी नहीं।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई महत्वपूर्ण मौसम चेतावनी आधारित सलाह नहीं।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और बिजली गिरने की जानकारी "दामिनी" ऐप से प्राप्त कर सकते हैं जो गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध है। आगामी सप्ताह में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है और मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई महत्वपूर्ण सलाह या चेतावनी नहीं है, इसलिए कृषि कार्य आवश्यकतानुसार जारी रखा जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर नियमित रूप से निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अगेती किस्मों की कटाई तब करनी चाहिए जब 75-80% फलियाँ पक जाएँ, जबकि पछेती किस्मों में फली छेदक कीट दिखाई देने पर अनुशंसित उपाय अपनाने चाहिए। कीटों पर नज़र रखने के लिए, फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन ट्रैप/हेक्टेयर लगाने चाहिए। यदि 2-3 दिनों तक लगातार 5-6 कीट/ट्रैप दिखाई दें, तो निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, अर्थात 500 लार्वा के लिए एनपीवी समतुल्य या बीटी 1 किग्रा प्रति हेक्टेयर या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर।
चना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए। खरपतवारनाशक के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेंडिमेथालिन 32 ईसी + इमेजेथापायर 2ईसी) 1.0 किग्रा जैसे रसायनों को 200-250 लीटर पानी में घोलकर प्रयोग किया जा सकता है। कीटों पर नज़र रखने के लिए, फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन ट्रैप/हेक्टेयर लगाने चाहिए। यदि 2-3 दिनों की निरंतर अवधि के लिए 5-6 पतंगे/ट्रैप देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक का प्रयोग किया जाना चाहिए, अर्थात 500 लार्वा के लिए एनपीवी समतुल्य या बीटी 1 किग्रा/हेक्टेयर या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली/हेक्टेयर।
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए। खरपतवारनाशक के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेंडिमेथालिन 32 ईसी + इमेजेथापायर 2ईसी) 1.0 किग्रा जैसे रसायनों को 200-250 लीटर पानी में घोलकर प्रयोग किया जा सकता है। कीटों पर नज़र रखने के लिए, फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन ट्रैप/हेक्टेयर लगाने चाहिए। यदि 2-3 दिनों की निरंतर अवधि के लिए 5-6 पतंगे/ट्रैप देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक का प्रयोग किया जाना चाहिए, अर्थात 500 लार्वा के लिए एनपीवी समतुल्य या बीटी 1 किग्रा/हेक्टेयर या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली/हेक्टेयर।
रेपसीड	अंकुरित हो रही फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। जिस फसल में फूल आने वाले हैं, उसमें सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग की जानी चाहिए। कीट/रोग के आक्रमण की जाँच करें।
सरसों	अंकुरित हो रही फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। जिस फसल में फूल आने वाले हैं, उसमें सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग की जानी चाहिए। कीट/रोग के आक्रमण की जाँच करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	जल्दी पकने वाली किस्मों की बुवाई महीने के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए। शुष्क परिस्थितियों में, पहली सिंचाई 25-30 दिनों के अंतराल पर करनी चाहिए।
जौ	सिंचित परिस्थितियों में फसल को महीने के दूसरे पखवाड़े में बोना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मूली	यूरोपीय किस्म को 6-8 किग्रा/हेक्टेयर और एशियाई किस्म को 10-12 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है। जबकि पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20-25 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी होनी चाहिए।
टमाटर	नर्सरी में बुवाई की जा सकती है और 4-6 सप्ताह बाद पौधों की रोपाई की जा सकती है।
शिमला मिर्च	नर्सरी की बुवाई की जानी चाहिए और पौधों की रोपाई 4-8 सप्ताह बाद की जानी चाहिए।
गाजर	यूरोपीय किस्म को 5-6 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20-40 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी होनी चाहिए।
चुकंदर	यूरोपीय किस्म को 7-10 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30-45 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी होनी चाहिए।
सब्जी पीईए	बुवाई 80-120 किग्रा/हेक्टेयर की दर से की जा सकती है, जिसमें पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30-45 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सेमी होनी चाहिए। उगती हुई फसल की निगरानी अवश्य करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	बदलते मौसम के साथ, पशुओं के नवजात शिशुओं में निमोनिया होने की संभावना अधिक होती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि पशुशाला को ठंड से बचाया जाए और पशुओं को गर्म भोजन दिया जाए।
गाय	मानसून के बाद, भोजन नली में विभिन्न प्रकार के आंतरिक परजीवी उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए पशुओं को सबसे पहले कृमिनाशक दवा देनी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास असर नहीं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव आधारित सलाह नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details